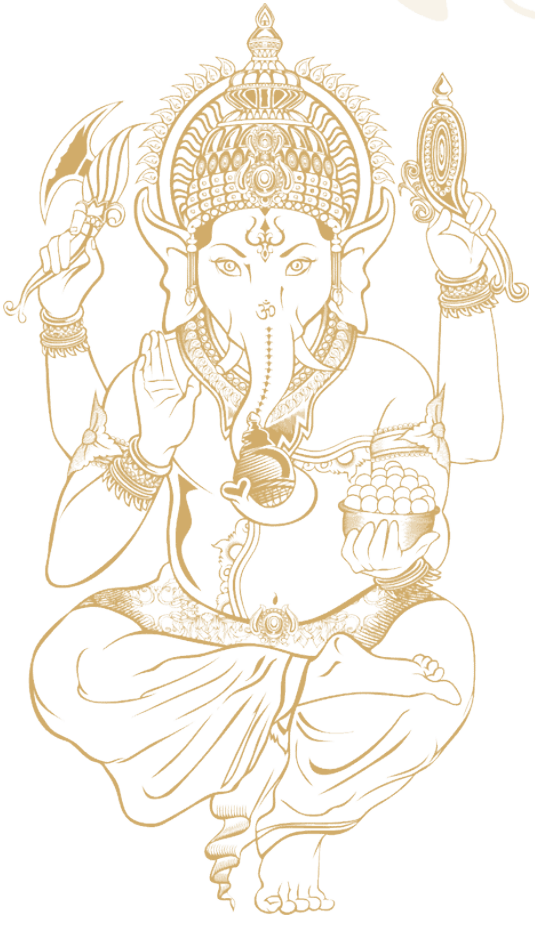

Mr.rita

25 Dec 1968

02:24 AM

Madhubani

Model: web-freekundliweb

Order No: 119958502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24-25/12/1968**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:24:00 घंटे**
इष्ट	49:33:01 घटी
स्थान	**Madhubani**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	85:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:34:32 घंटे
वेलान्तर	00:00:23 घंटे
साम्पातिक काल	08:48:18 घंटे
सूर्योदय	06:34:47 घंटे
सूर्यास्त	17:03:25 घंटे
दिनमान	10:28:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	09:42:52 धनु
लग्न के अंश	13:53:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सुगन्धा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:53:54	314:28:52	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			धनु	09:42:52	01:01:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	19:01:17	13:25:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			तुला	03:40:52	00:34:33	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	धनु	19:45:31	01:35:56	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	11:31:41	00:04:51	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मक	24:03:34	01:09:23	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
शनि			मीन	25:16:58	00:00:23	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु	व		मीन	11:38:41	00:01:37	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	11:38:41	00:01:37	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	10:29:12	00:00:49	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
नेप			वृश्चि	04:08:05	00:01:55	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
प्लूटो			कन्या	01:41:05	00:00:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	16:12:33	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:25:25

लग्न-चलित

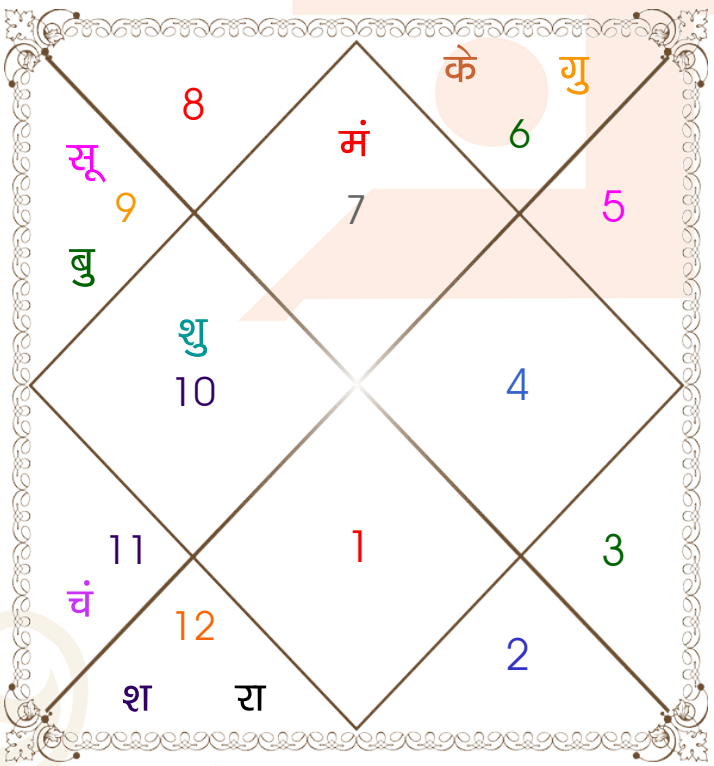

चन्द्र कुंडली

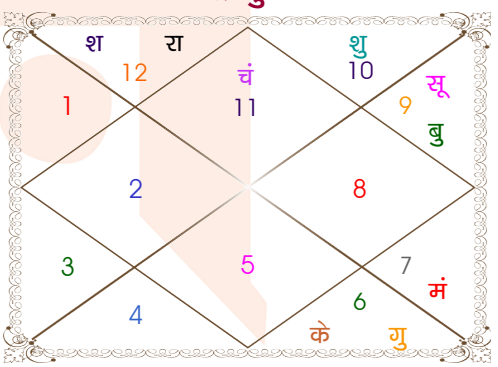

नवमांश कुंडली

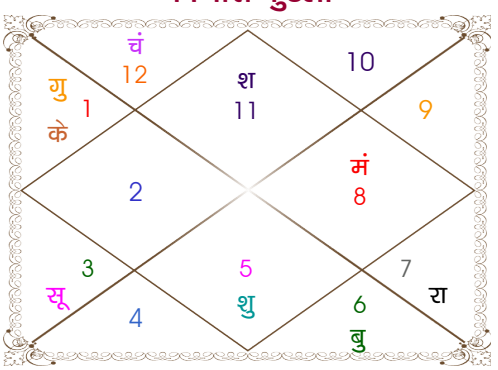

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 3 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/12/1968		21/04/1970		21/04/1986		21/04/2005		21/04/2022	
21/04/1970		21/04/1986		21/04/2005		21/04/2022		21/04/2029	
	00/00/0000	गुरु	08/06/1972	शनि	24/04/1989	बुध	18/09/2007	केतु	17/09/2022
	00/00/0000	शनि	21/12/1974	बुध	02/01/1992	केतु	14/09/2008	शुक्र	17/11/2023
	00/00/0000	बुध	28/03/1977	केतु	10/02/1993	शुक्र	16/07/2011	सूर्य	24/03/2024
	00/00/0000	केतु	03/03/1978	शुक्र	12/04/1996	सूर्य	21/05/2012	चंद्र	23/10/2024
	00/00/0000	शुक्र	01/11/1980	सूर्य	25/03/1997	चंद्र	21/10/2013	मंगल	22/03/2025
	00/00/0000	सूर्य	21/08/1981	चंद्र	24/10/1998	मंगल	18/10/2014	राहु	09/04/2026
	25/12/1968	चंद्र	21/12/1982	मंगल	03/12/1999	राहु	06/05/2017	गुरु	16/03/2027
चंद्र	03/04/1969	मंगल	27/11/1983	राहु	09/10/2002	गुरु	12/08/2019	शनि	24/04/2028
मंगल	21/04/1970	राहु	21/04/1986	गुरु	21/04/2005	शनि	21/04/2022	बुध	21/04/2029

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
21/04/2029		21/04/2049		21/04/2055		21/04/2065		21/04/2072	
21/04/2049		21/04/2055		21/04/2065		21/04/2072		00/00/0000	
शुक्र	20/08/2032	सूर्य	09/08/2049	चंद्र	20/02/2056	मंगल	17/09/2065	राहु	02/01/2075
सूर्य	21/08/2033	चंद्र	07/02/2050	मंगल	20/09/2056	राहु	06/10/2066	गुरु	27/05/2077
चंद्र	21/04/2035	मंगल	15/06/2050	राहु	22/03/2058	गुरु	12/09/2067	शनि	02/04/2080
मंगल	21/06/2036	राहु	10/05/2051	गुरु	22/07/2059	शनि	20/10/2068	बुध	21/10/2082
राहु	21/06/2039	गुरु	26/02/2052	शनि	19/02/2061	बुध	18/10/2069	केतु	08/11/2083
गुरु	19/02/2042	शनि	07/02/2053	बुध	22/07/2062	केतु	16/03/2070	शुक्र	08/11/2086
शनि	21/04/2045	बुध	14/12/2053	केतु	20/02/2063	शुक्र	16/05/2071	सूर्य	03/10/2087
बुध	20/02/2048	केतु	21/04/2054	शुक्र	20/10/2064	सूर्य	21/09/2071	चंद्र	25/12/2088
केतु	21/04/2049	शुक्र	21/04/2055	सूर्य	21/04/2065	चंद्र	21/04/2072		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 4 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के महिला हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने पति के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपने जीवन साथी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकती हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करती है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपके समझदार पति एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगी। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेंगी। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगी। अन्य शब्दों में आपके आय की आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगी। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगी। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगी। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।